# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
# गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

*सम्बद्ध*

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in


दिनांक 24.09.2022

## प्रकाशनार्थ

दिनांक 24 सितम्बर 2022 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती वर्ष के पूर्व संध्या **पर 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता'** विषय पर विशिष्ठ व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार उपाध्याय सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने दीनदयाल जी के जीवन यात्रा पर प्रकाश डाला और उनके एकात्म मानववादी दर्शन को रेखांकित करते हुए कहा कि यह 'स्वदेशी सामाजिक आर्थिक माडल' प्रस्तुत करता है, जिसके केन्द्र में मानव है। एकात्क मानव दर्शन का उद्देश्य व्यक्ति एवं समाज की आवश्यकता को संतुलित करते हुए प्रत्येक मानव को गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है और समाज के निचले स्तर पर स्थित व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। वर्तमान समय में केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके विचारों को केन्द्र में रख कर कार्य कर रही है। अनेक लोककल्याणकारी योजनाओं एवं उनके विचारों से प्रेरित और उनके दर्शन के महत्व को बताती है। उन्होंने आगे कहा कि आज जो विकास का समावेशी मॉडल है उसे दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने पश्चिमी विचारधाराओं खण्डन करते हुए स्वदेशी व आर्थिक विकेन्द्रियकरण को आपनाने पर जोर दिया जो दीनदयाल उपाध्याय के मूल संकल्पना को प्रतिपादित करते है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद बादरायण के सूत्र से उद्भूत है। तथा वह शंकाराचार्य के दर्शन से भी प्रभावित है। उन्होंने अनुभाविक व्याख्या करते हुए कहा कि एकात्म मानववाद को वाद कहना दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को सीमित करना है। उसे एकात्म मानव दर्शन कहना ज्यादे उपयुक्त है। क्योकि यह उनके विचारों को सम्रग रूप में प्रस्तुत करता है। डॉ. सिंह ने एकात्म मानव दर्शन के मूल तत्व मन, बुद्धि आत्मा एवं शरीर की आवश्यकता को अपने शब्दो में व्यक्त करते हुए कहा कि मन को विहार, बुद्धि को विचार, आत्मा को संस्कार और शरीर को आहार चाहिए। राष्ट्रीय एवं उत्तर प्रदेश सरकार दीनदयाल उपाध्याय जी के दर्शन केन्द्रित नीतिगत निर्णय लेकर उनके विचारों को साकार कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह तथा स्वागत एवं प्रस्ताविक श्री इन्द्रेश कुमार तथा आभार ज्ञापन डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने किया।

उक्त अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. अखिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आर.पी.यादव, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. शुभ्रांशु सिंह, श्री राकेश कुमार तथा अंकित पाण्डेय सहित विभाग के समस्त छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहें।


**डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)**
**मीडिया प्रभारी**
**मो.न.** 7068266101